SALTOC Project
Title: Madhumatī
Imprint: Udayapura: Rājasthāna Sāhitya Akādamī
OCLC: 3195624
Volume 17: no 11, November 1978

TOC Supplied By: Columbia University Libraries

मधुमती

संपादक : डॉ. जयसिंह नीरज

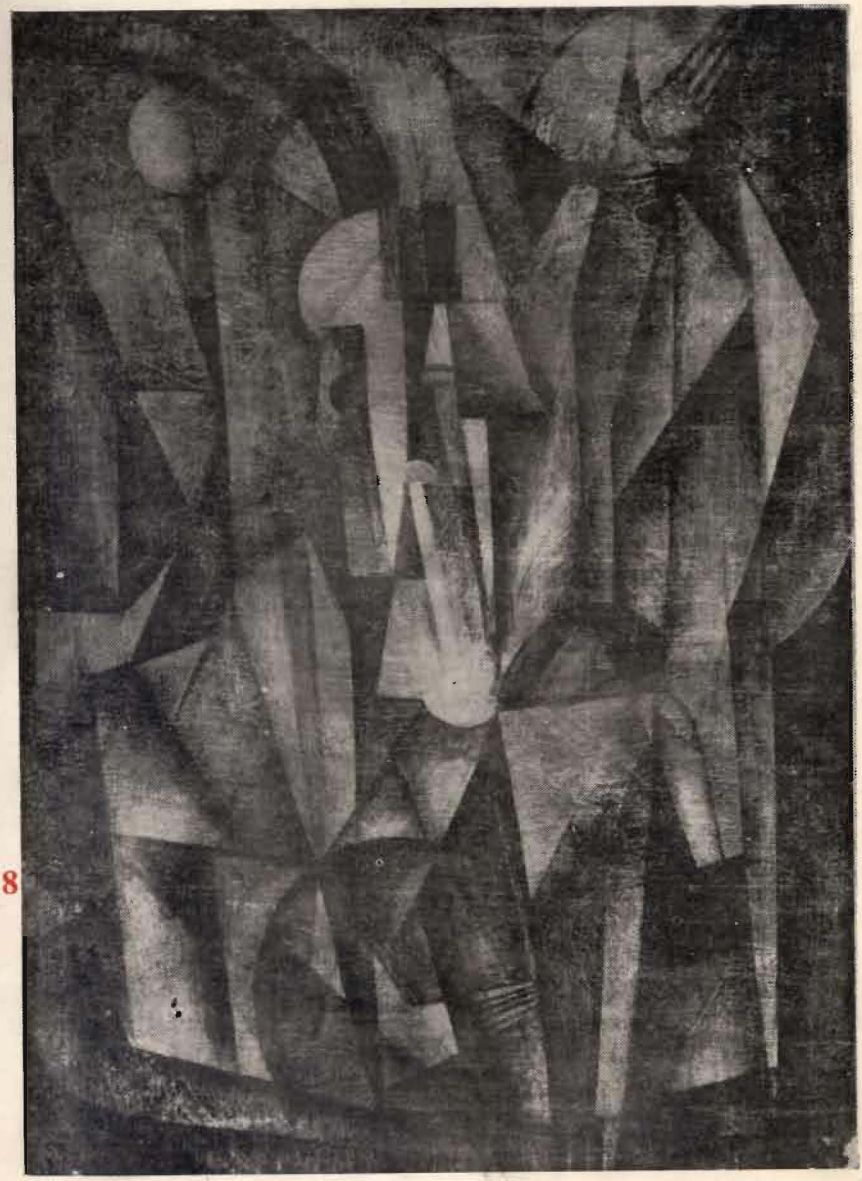

नवम्बर, 1978

राजस्थान साहित्य अकादमी की साहित्यिक मासिकी : वर्ष 17 : अंक 11

मधुमती

वर्ष १७ : अंक ११
नवम्बर, १९७८ ई०

सम्पादक : डॉ. जयसिंह नीरज
प्रबन्ध सम्पादक : डॉ. राजेन्द्र शर्मा

अनुक्रम

		पृष्ठ संख्या
सम्पादकीय		३
कविता		
वह एक जिन्दा अहसास है	विजेन्द्र	५
लेख		
समकालीन कविता के परिप्रेक्ष्य में विचार का रचनात्मक संदर्भ	डॉ० वीरेन्द्रसिंह	११
आंचलिक संवेदना के कहानीकार 'रेणु'	डॉ० भैरूलाल गर्ग	१९
हिन्दी उपन्यास में सामूहिक अवचेतन की अभिव्यक्ति	डॉ० मूलचन्द सेठिया	२३
कहानियाँ		
जुड़ाव	यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र'	२७
टुकड़े-टुकड़े आदमी	भगवान अटलानी	३४
तुम्हारी तरह	पुरुषोत्तम आसोपा	३८
कविताएं		
आग का जिक्र	संजीव क्षितिज	४८
खोई हुई प्रतिध्वनियाँ	रामकुमार	४९
सूरज की तकलीफ	अम्बिकादत्त	५१
ज्वार क्यों नहीं आता ?	श्रीमती इन्दिरा परमार	५३
आसमान खुल जाने के बाद	योगेश विशिष्ठ	५४

टिप्पणियां

कवि धूमिल : प्रासंगिकता का प्रश्न	सवाईसिंह शेखावत
इस शती का संभावित साहित्य : आतंक और टूटते संवाद	शक्तिपाल केवल
हिन्दी गजल की प्रकृति	डॉ० जानकीप्रसाद शर्मा

गजलें

गजल	खयाल
„	बृजेन्द्रकुमार चतुर्वेदी
„	अर्जुन अरविन्द
„	सांवर दईया
„	कुन्दनसिंह 'सजल'
„	जगदीश श्रीवास्तव
„	पूरन निर्दोष
„	एन्जी थानवी/पुरषोत्तम सत्यप्रेमी
„	पूरन सरमा
„	कैलाश मनहर
„	भवानीशंकर
ये पत्रिकाएँ	ॠतुराज

पुस्तक समीक्षा

भारतीय साहित्य के निर्माता : एक नयी शुरुआत	डॉ० गोविन्द रजनीश
भाषा अर्थ और संवेदना	डॉ० पूनम दईया

सांस्थानिक गतिविधियाँ

पत्र : प्रतिक्रिया

एक प्रति का मूल्य : 1–50

वार्षिक शुल्क : 15–00

आवरण कथा– नाथद्वारा में कलाकार परिवार में जन्मे श्री मोहन शर्मा राजस्... चोटी के कलाकारों में से एक हैं। उन्होंने घनवादी शैली में नये से नये प्रयोग ... यह रचना भी घनवादी शैली की उत्कृष्ट संरचना है। संप्रति श्री शर्मा आर्ट... जयपुर में प्राध्यापक हैं।